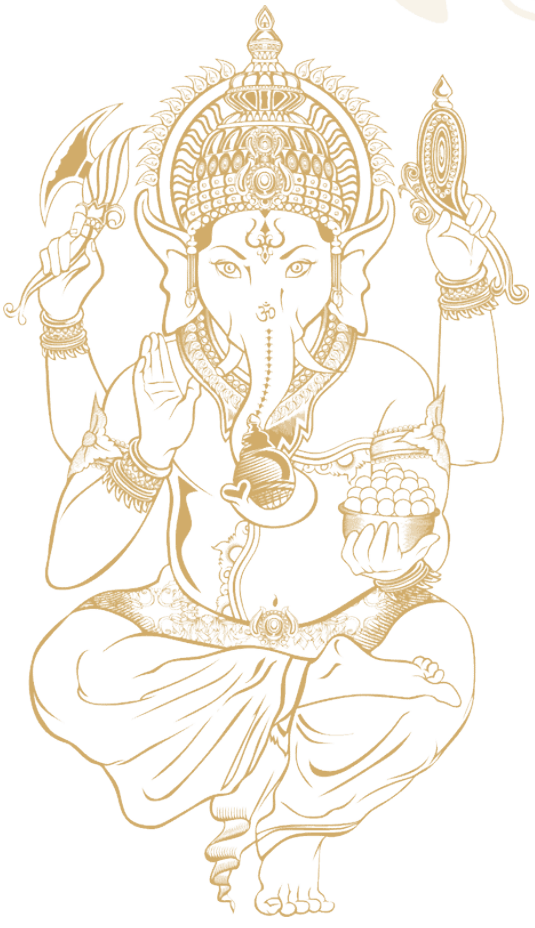

shauryaveer singh ji

khushi

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121809901

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121809901 Date: 04/04/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22-23/02/2001	जन्म तिथि	25/01/2001
गुरु-शुक्रवार	दिन	गुरुवार
घंटे 02:36:00	जन्म समय	21:15:00 घंटे
घटी 48:38:54	जन्म समय(घटी)	34:34:31 घटी
India	देश	India
Bali	स्थान	Pali Marwar
25:41:00 उत्तर	अक्षांश	25:46:00 उत्तर
72:51:00 पूर्व	रेखांश	73:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:38:36	स्थानिक संस्कार	-00:36:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:08:26	सूर्योदय	07:23:00
18:36:41	सूर्यास्त	18:14:29
23:52:07	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:04

वृश्चिक	लग्न	सिंह
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
कुम्भ	राशि	मकर
शनि	राशि-स्वामी	शनि
धनिष्ठा	नक्षत्र	धनिष्ठा
मंगल	नक्षत्र स्वामी	मंगल
4	चरण	1
शिव	योग	व्यतिपात
नाग	करण	बव
गे-गेंदा	जन्म नामाक्षर	गा-गामिनी
मीन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
शूद्र	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	जलचर
सिंह	योनि	सिंह
राक्षस	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	मध्य
मार्जार	वर्ग	मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 0वर्ष 8मा 16दि	27:14:14	वृश्चि	लग्न	सिंह	22:21:44	मंगल 6वर्ष 8मा 23दि
गुरु	10:26:32	कुंभ	सूर्य	मक	11:52:35	गुरु
10/11/2019	05:18:44	कुंभ	चंद्र	मक	23:50:48	19/10/2025
10/11/2035	10:16:38	वृश्चि	मंगल	तुला	25:11:23	19/10/2041
गुरु 28/12/2021	21:59:21	मक व	बुध	मक	29:52:49	गुरु 07/12/2027
शनि 10/07/2024	08:39:49	वृष	गुरु	वृष	07:19:12	शनि 20/06/2030
बुध 16/10/2026	20:10:05	मीन	शुक्र	कुंभ	28:42:46	बुध 25/09/2032
केतु 22/09/2027	00:57:46	वृष	शनि	वृष	00:11:32	केतु 31/08/2033
शुक्र 23/05/2030	20:39:17	मिथु व	राहु व	मिथु	21:37:32	शुक्र 01/05/2036
सूर्य 11/03/2031	20:39:17	धनु व	केतु व	धनु	21:37:32	सूर्य 18/02/2037
चन्द्र 10/07/2032	27:43:10	मक	हर्ष	मक	26:05:39	चन्द्र 20/06/2038
मंगल 16/06/2033	13:24:47	मक	नेप	मक	12:22:22	मंगल 27/05/2039
राहु 10/11/2035	21:15:29	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	20:40:54	राहु 19/10/2041

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:52:07 चित्रपक्षीय अयनांश 23:52:04

लग्न-चलित

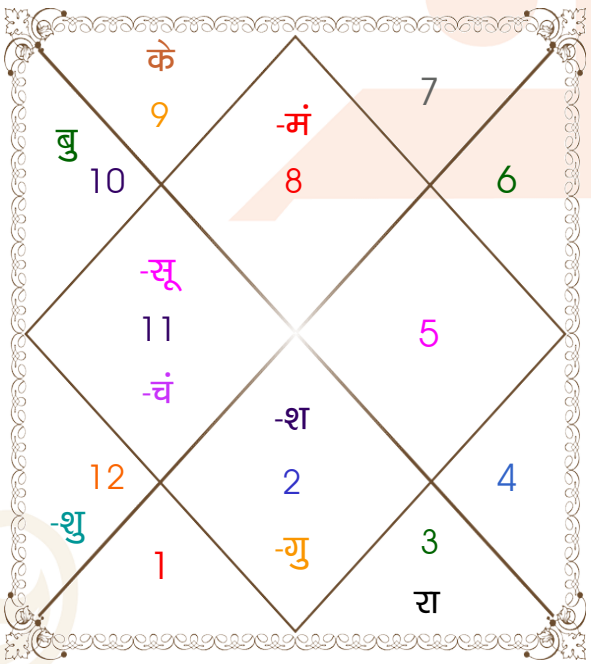

लग्न-चलित

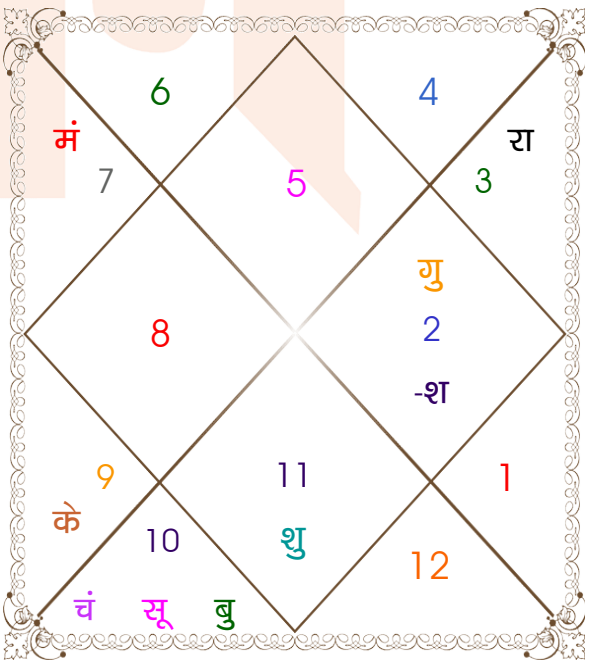

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	सिंह	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

कुल : 19 / 36

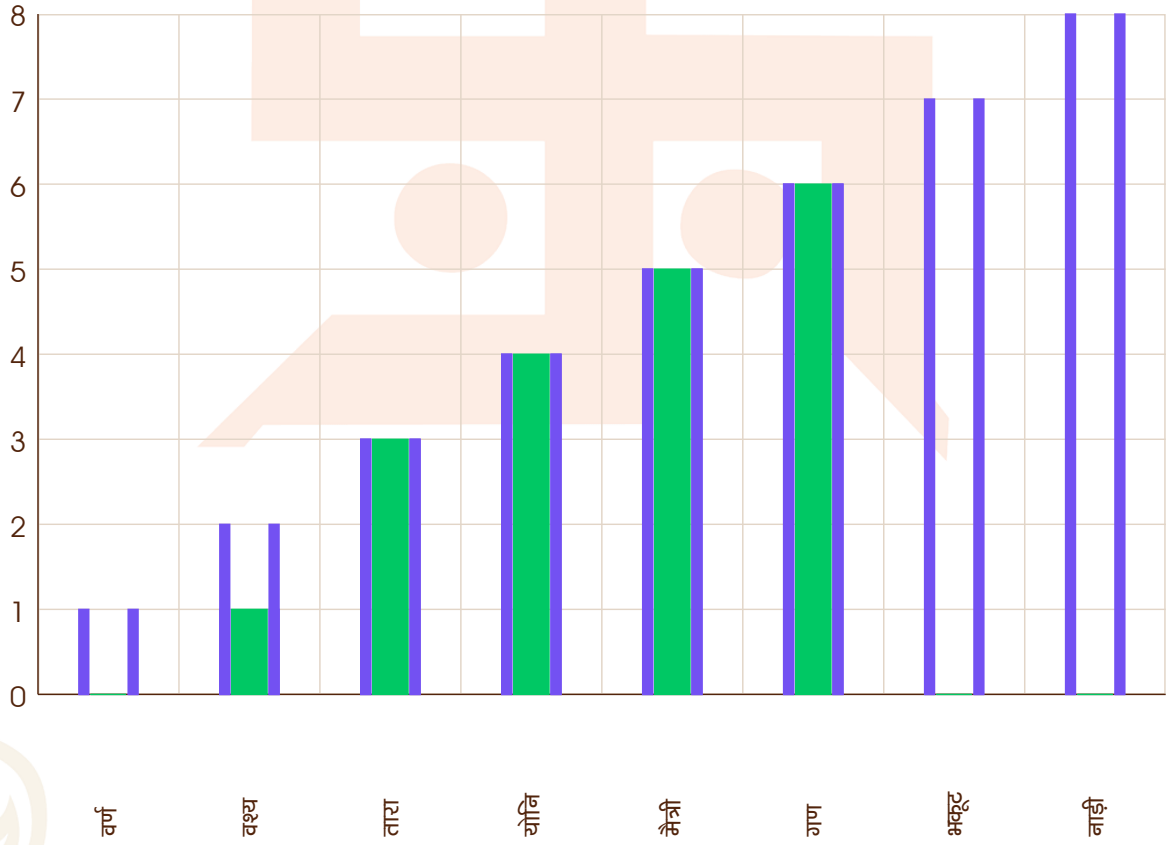

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एक है तथा चरण भिन्न-2 है।

shauryaveer singh ji का वर्ग मार्जार है तथा ीनेंीप का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार shauryaveer singh ji और ीनेंीप का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

shauryaveer singh ji मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्e;डडम्ग्वंवूदक्मइ;0द्धत्र1द्धझ क्योंकि मंगल shauryaveer singh ji कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ीनेंीप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ीनेंीप कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

shauryaveer singh ji तथा ीनेंीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

shauryaveer singh ji का वर्ण शूद्र है तथा ीनेीप का वर्ण वैश्य है। क्योंकि ीनेीप का वर्ण shauryaveer singh ji के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। ीनेीप अति स्वार्थी तथा धन-लोलुप होगी। वह हमेशा दूसरों की कीमत पर सिर्फ अपने स्वार्थ की पूर्ति करती रहेगी। यह ीनेीप अपने पति, बच्चों तथा परिवार के लोगों की न तो चिन्ता करेगी और न ही देखभाल। लड़ाई-झगड़ा करके यह हमेशा घर के लोगों का जीना दूभर कर सकती है।

वश्य

shauryaveer singh ji का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं ीनेीप का वश्य जलचर है अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। मनुष्य एवं जलचर दोनों प्रकृति के अंग हैं यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग होते हैं तथा प्रकृति ने दोनों के अलग-अलग कार्य एवं उत्तरदायित्व निर्धारित किये हैं। इसलियें shauryaveer singh ji एवं ीनेीप दोनों सामान्यतः एक-दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे तथा एक-दूसरे के लिए हानिकारक सिद्ध नहीं होंगे। सामान्यतः shauryaveer singh ji ीनेीप पर नियंत्रण स्थापित करने में समर्थ होगा। हालांकि यह अनुकूल मिलान नहीं है क्योंकि shauryaveer singh ji हमेश ीनेीप के ऊपर हावी रहेगा।

तारा

shauryaveer singh ji की तारा जन्म तथा ीनेीप की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

shauryaveer singh ji की योनि सिंह है तथा ीनेीप की योनि भी सिंह है। अर्थात दोनों की योनि समान ही है। दोनों योनि के बीच परस्पर मित्रता का संबंध है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के बीच अगाध प्रेम होगा। दोनों हमेशा एक दूसरे को समय-समय पर अपना सहयोग देते रहेंगे जिससे इनका पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन अत्यंत सौहार्द्र एवं प्रेमपूर्वक बीतेगा। सोच एवं समझदारी में समानता होने के कारण परस्पर वैचारिक मतभेद नहीं रहेंगे। इस प्रकार आपसी विश्वास रहने के कारण आपका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। आप दोनों पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन में शांति का अनुभव करेंगे। मन में हर्षोल्लास की भावना बनी रहेगी। साथ ही परिवार में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। धन का आगमन समय-समय पर होता रहेगा। जिसके कारण आप सुखी पारिवारिक एवं वैवाहिक

जीवन व्यतीत करेंगे। दोनों आपसी समझबूझ के साथ जीवन में आने वाली किसी भी समस्या का समधान शीघ्र ही निकाल पाने में सझम होंगे। जिसके कारण इनका पारिवारिक जीवन अत्याधिक समृद्धिशाली रहेगा। इस प्रकार इनका वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन सुखी होगा एवं प्रगति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में shauryaveer singh ji एवं ानेीप दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि shauryaveer singh ji एवं ानेीप दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

shauryaveer singh ji का गण राक्षस है तथा ानेीप का गण भी राक्षस है। अर्थात ानेीप का गण shauryaveer singh ji के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण shauryaveer singh ji एवं ानेीप दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

shauryaveer singh ji से ानेीप की राशि द्वादश भाव में स्थित है ानेीप से shauryaveer singh ji की राशि द्वितीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके फलस्वरूप दोनों के बीच कलह, लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं परिवार में कुछ अनहोनी घटनाएं आदि हो सकती हैं। इस मिलान में shauryaveer singh ji परिश्रमी, परिवार से प्रेम करने वाला, अच्छा कमाने वाला तथा बचत करने वाला होगा किंतु ानेीप का स्वभाव इसके ठीक विपरीत होगा। ानेीप की शारीरिक स्थिति कमजोर तथा स्वास्थ्य अक्सर खराब रह सकता है। साथ ही ानेीप तुरंत क्रोधित होने वाली तथा अपव्ययी होंगी। वह अपने पति द्वारा कमाए गए पैसों को अपने फालतू शौकों एवं दिखावे में व्यय करने वाली होंगी। परिणामतः दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे।

नाड़ी

shauryaveer singh ji की नाड़ी मध्य है तथा ानेीप की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में shauryaveer singh ji एवं

ीनेीप का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

मेलापक फलित

स्वभाव

shauryaveer singh ji की जन्मराशि वायुतत्व युक्त कुम्भ तथा गिनीप की राशि पृथ्वीतत्व युक्त मकर राशि है। वायु तथा पृथ्वी में नैसर्गिक विषमता के कारण इनमें स्वभावगत असमानताएं रहेंगी जिससे दाम्पत्य संबंध विशेष मधुर नहीं होंगे एवं वैवाहिक जीवन प्रतिकूल रहेगा। अतः यह मिलान सामान्य रहेगा।

shauryaveer singh ji और गिनीप की जन्मराशि का स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से दोनों के मध्य परस्पर संबंधों में प्रगाढ़ता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहयोग एवं सहानुभूति का भाव रहेगा। साथ ही सुख दुख में एक दूसरे की पूर्ण सहायता करने के लिए तत्पर रहेंगे। shauryaveer singh ji और गिनीप एक सच्चे मित्र की तरह एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे जीवन में सुख शांति की वृद्धि होगी तथा आनन्दपूर्वक समय व्यतीत करेंगे।

shauryaveer singh ji और गिनीप की राशियां परस्पर द्वादश तथा द्वितीय भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह एक भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभप्रभावों में न्यूनता आएगी तथा संबंधों में मतभेद तथा विरोध का भाव रहेगा लेकिन राशि स्वामी एक होने के कारण विशेष अनिष्ट की संभावना नहीं रहेगी तथापि यदि shauryaveer singh ji और गिनीप दोनों बुद्धिमता तथा सामंजस्य की प्रवृति से कार्य करें तो अशुभ प्रभावों में न्यूनता होगी तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

shauryaveer singh ji का वश्य मानव तथा गिनीप का वश्य जलचर है। मानव तथा जलचर में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अन्तर रहेगा। साथ ही शारीरिक मानसिक तथा भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं भिन्न रहेंगी तथा दाम्पत्य संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा संतुष्ट करने में असमर्थ होंगे।

shauryaveer singh ji का वर्ण शूद्र तथा गिनीप का वर्ण वैश्य है। अतः shauryaveer singh ji की प्रवृति किसी भी कार्य को ईमानदारी एवं परिश्रम से करने की रहेगी जबकि गिनीप की प्रवृति धनार्जन में रहेगी तथा धन को वे विशेष महत्व प्रदान करेंगी।

धन

shauryaveer singh ji और गिनीप दोनों का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनका आर्थिक स्तर उन्नत रहेगा तथा जीवन में धन धान्य एवं ऐश्वर्य से युक्त रहेंगे। इनकी एक दूसरे की राशि द्वितीय एवं द्वादश में होने के कारण भकूट दोष रहेगा लेकिन मंगल का आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव न होने के कारण इनकी आर्थिक सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता बनी रहेगी। साथ ही जीवन में भौतिक सुख संसाधनों से युक्त रहकर उनका उपभोग करेंगे।

तथापि भकूट दोष के कारण shauryaveer singh ji की प्रवृति व्ययशील होगी लेकिन मंगल के दुष्प्रभाव न होने के कारण उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी तथा किसी विशेष अवसर पर भी आर्थिक न्यूनता नहीं आएगी। shauryaveer singh ji को पैतृक सम्पति की भी प्राप्ति होगी जिससे धन एवं विलास संबंधी वस्तुओं में न्यूनता नहीं आएगी तथा सामान्य जीवन प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

स्वास्थ्य

shauryaveer singh ji और ाीनीप का जन्म मध्य नाड़ी में हुआ है। यद्यपि प्रथम दृष्टि में यह नाड़ी दोष माना जाता है परन्तु इनका जन्म एक ही नक्षत्र के अलग अलग चरणों में हुआ है। अतः नाड़ी दोष इनके स्वास्थ्य पर कोई प्रभाव नहीं होगा लेकिन मंगल का अशुभ प्रभाव ाीनीप के ऊपर रहेगा जिससे उनको गुप्त या धातु संबंधी रोगों का सामना करना पड़ेगा। इसके साथ ही मासिक धर्म संबंधी अनियमिताओं से भी वे कष्ट प्राप्त करेंगी। अतः उपरोक्त दुष्प्रभावों में न्यूनता लाने के लिए ाीनीप को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से shauryaveer singh ji और ाीनीप का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति ाीनीप के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः ाीनीप को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबंधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

shauryaveer singh ji और ाीनीप बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः shauryaveer singh ji और ाीनीप का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

ाीनीप के अपने सास से सामान्य संबध रहेंगे तथा परस्पर सामंजस्य से मधुरता बनी रहेगी यद्यपि इनके मध्य यदा कदा विवाद या मतभेद उत्पन्न होंगे परन्तु उनका बुद्धिमता से

समाधान करने में दोनों को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही ग्रीनीप यत्नपूर्वक सास की सुख सुविधाओं का ध्यान रखकर उनकी सेवा में तत्पर रहेंगी।

लेकिन ससुर से पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति अर्जित करने में ग्रीनीप को कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथा उनकी तरफ से समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी। परन्तु ननद एवं देवरों से संबधों में मधुरता रहेगी तथा उनका व्यवहार मित्रवत रहेगा फलतः उनसे पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति प्राप्त होगी।

इस प्रकार ग्रीनीप को ससुराल में सामान्य रूप से अनुकूल वातावरण मिलेगा तथा किंचित असुविधाओं का सामना करके वह सामंजस्य स्थापित करने में सफल हो सकेंगी।

ससुराल-श्री

shauryaveer singh ji की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर shauryaveer singh ji सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन shauryaveer singh ji ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का shauryaveer singh ji के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।